

अलिक्रमाखनादितालितालितालिकाम्याक्रमान्याक्षा

LHA CHARITABLE TRUST INSTITUTE FOR SOCIAL WORK & EDUCATION

र्थेव से न

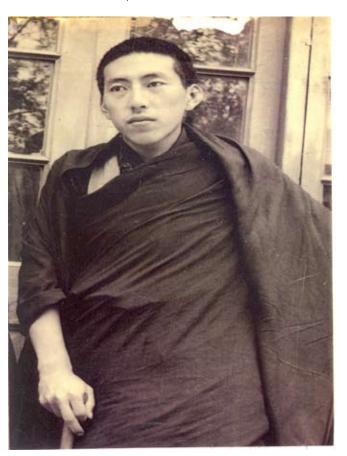
द्वाः श्वःत्रान्त्रेयः प्रति त्यां कार्श्वरः वित्रान्त्रः स्त्रेयः वित्रान्त्रः वित्रान्त्रः वित्रान्त्रः वित्र वित्रान्त्रः स्त्रेयः प्रति त्याः प्रति त्याः प्रति त्यां वित्रः वित्रान्त्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित् वित्रः वित्र वित्रः वित

सुं हुं रहें नाया बनया बुं न्दर्भे या प्रताय या निर्मा निर



श्रिम्प्रस्व त्राम्प्रस्व त्राम्प्रस्व प्रम्य प

वर्षाक्षवर्षानि कृत्या वसन्य अर्केन प्रदेश के वा प्रत्य कि प्रत्य



শ্লু'ব'বার্বিব'ঘর'শ্লবশা

क्रमान्यस्य स्थान्यस्य स्थान्य स्थान्



त्रभाष्यः भाष्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः

यर्यावेश हि.स्. १६० स्. ट्रीयावश्चेश्चरम्यायावीयश प्राप्त विश्व हि.स्. १६० स्. ट्रीयावश्चर हि.स्. १५ प्रम्यायावित्य विश्व स्. प्रम्य विश्व स्. १५ प्रम्य स

च्यात्र प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत् इत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत

र्केर नार्व नाशुक्ष मी र्नो ५८ वर राज्यका त्या मध्य स्वर सेना प्रदेश क्रीन विर नावर ना नक्षा

न्दःस् नेशःर्षेत्रःन्दःवद्येयःनवःसद्गात्तरःमङ्गान्वना।वन

क्षेत्रस्थर्भत्त्वे स्थितः क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि क्षेत्रस्थर्भतः क्षेत्रस्थर्भतः क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि कष्टि क्षेत्रस्थर्भतः कष्टि कष

र्मन्भी के श्रास्त्रीत स्त्री न्द्रा स्या स्त्रीत स्वर में स्त्रीत स्त्री न्द्रा रेश स्त्रीत स्वर मार्चे या स्त्रीत स्त्री



^अश्चे र्देर-अर्नेर-अ:श्चन्यश्चर्मत्रः केत्र-देर-अर्केन: दर-ध्वत्

सहर्त्वमा सन्नरः सुर्-नदुर-लूर्माङ्च्यामान्यन्तः स्वान्यन्त्रः सुर-न्यन्त्रः स्वान्यन्त्रः स्वान्यन्तः स्वान्यन्यः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्यः स्वान्यन्तः स्वान्यन्यः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्तः स्वान्यन्यः स्वान्यन



श्चित्रशाहे : बेंदाने दे र कें र कें र कें या कें या दिया है त



ઐત્ત્ર્યાં સર્જ્યના વી. અર્ચન 'રે. શું . તકી યા. જ્રુવો અ. વી કુ. ત. અ. ત્યિક તરે શ. તવી તા. સેન અો

हेन् प्रेंन्य मुन्य मुन्य मुन्य मुन्य प्रेंन्य प्रमा मुन्य मुन्य प्रमा मुन्य

(University)ॡ्वेः त्ररः केंश्रः नेवान्दः वर्षेवः नवेः वाश्वरः व्यवः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः

য়ৢ৽য়৾৽१৻৽৺৹ दशःभ्रत्रात्रकृत्विता परे प्रेत् अरा श्री त्र श्रुरा श्री त्र त्र श्री त्री त्र श्री त्री त्र श्री त्री त्र श्री त्री त्र श्री त्र श्री त्र श्री त्र श्री त्र श्र



म्रीक्ष्याचे स्वास्त्र निवास स्वास्त्र स्वास्त्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वस्त्र स्वास्त्र स्वास्त

स्र-र-१ शेवे कुषार्रे दिर खूर्

गशुअन्य नेशःष्व न्दरश्चे केंगशनदे देव श्ची केंगश श्वे प्रमा तुः सहदातुर है महरा

- १। द्वो सुनाश प्राची नाश प्राची नाश प्राची प्राची श्री क्षेत्र प्राची प
- ধা ক্র'নাম'ন্ট্র'নার্কা'মেনা'র্ম্ব্র্রার্ক্রনাম' (Association of Indian Universities) শ্রী'নেনাম'নেইর'শ্রুর'র্ক্রনাম'শ্রী'র্ক্তিনাম'শ্রী'র্কিনাম'শ্রী
- শ্ৰ ক্ৰু'নাম'ন্ট্ৰ'নাৱনা'ন্দনা'ৰ্ম্ব্ৰিন'নিম'ন্থ্ৰ্ব'ৰ্স্কৰ্'নাৰ্ম' (Association of Indian Universities) ন্ট্ৰ'নেনাৰ নেই'ৰ'ন্থ্ৰ্ব'ৰ্স্কৰ্'নাম'ন্ট্ৰি'নাম'নাৰ্ক্তি। (খ্ৰি'ন্টে'়া ৫৫৫ নিমা)
- ধ্। ঐর ই শ মনে ন্বেন্নে ন শ্লুন শ্রেনি নের খ্রেন থের নের নার বা থেবা শ্লুন বিন শ্লের স্কিনাশ (Association of Commonwealth Universities) শ্রী নেনার নেইর শ্লের স্কিনাশ শ্রী স্কিনাশ শ্রী।



क्य नरक्षे भ्रम्म नर्भित्र हे क्या क्या निर्मा क्या नि

च मु न्यर प्रत्या निवास प्रत्या के प्रत्या



श्रेनाः के शास्त्रम्थाः ग्रीः के शाद्में दादाः सूद्रा

ধে ক্রুঅ'ফ্রুই'র্ন্'মাই'ফ্রু'র্ক্টবাশ'ন্বনম'ন্,'(World Buddhist Social Service, Saigon, Vietnam) মুর্ক্টবাশ'শ্রীক্টবাশ'শ্রনি

१० कु.चीर.खु.चु.ला.कु.कु.चीश.सु (Asiatic Society of India) त्यात्र. वह्र व.सेव.कु.चीश.कु.चीश.सु (चि.चीर.चीथ.सट.चु.सू.सी)(लश.

ক্রুব স্থান মান্ট্র মা)

११। कु न्य न् कु ने दे ने ने ने कि ते प्रति (Krishnamurti Foundation of India) के निकासी



नडंद'र्जुव'र्नेन'सेवे'नडव'व्रिसस'नेद'र्ने'केन'सळद'ह्नास'वर्गेन्'नविद'रा

୨୪| ব্রুষার্শবিদ্ধ্রেশবেইর স্ক্রুনা(Central Tibetan Schools Administration)নী বেনার বেইর শ্রুর র্ক্তবাধা দ্রী ক্রিনামারী (পর্নার কর্মিশা)

१३| शेगीशर्वेन्देन्देन्द्रस्थात्रिः (Sikkim Research Institute of Tibetology) नी'दनाद्र' वहेंद्र' ब्रुद्र' र्ळेन्यश्राचे र्ळेन्यश्राचे र्ळेन्यश्राचे र्जेन्या (क्रुप्तान्त्र' विक्राम्यान्त्रिं विक्राम्यान्त्रें विक्राम्यान्यान्त्रें विक्राम्यान्त्रें विक्राम्यान्ते विक्राम्यान्त्रे

🤫 ব্ন'র্মহুমানুনীনুন' (Nav Nalanda Institute)



भूनर्यान्य दुः निहेशास्त्रे में अर्केन्य कें निया दिन् निर्देश में निया है ।

- १६ इ.स. द्वे सहें द्विरः (Library of Tibetan Works and Archives) वी त्वाह त्वहें ह खूह रहें वाह रही हैं वाह वाहें वाह के वाह के
- ୨୬ বহু অ'শ্লী ম'ঐ র'শ্লুর'র্ক্ট বাধা (Global Education Association, New York, USA) গ্রী:শ্লুর'মা
- १६ वह्रमञ्जीहाले नहेवे नाइना वना र्ज्जून नहार (World Peace University, USA) ने र्ज्जून र्जून ना



ध्रे त्रम्भातमात्र विषेत्राचि स्त्री स्त्रम्



বশাব-পদা-শ্লবশ বস্তু-দান্ত শাব-দেব বসাব-শ্লিব-শ্লেব-শ্ৰু-শা

গুণ জি'নি'আই'য়ৼ'আই'ই'ই'ৼ'য়ৢবাশ'র্ম্মর'য়ৼ'
(Institute for Asian Democracy, New York,
USA) বী'র্ম্মর'য়ৢর'বা

२० वहेनाहेन गुन् हिन मेनस हिन स्ति (Foundation of Universal Responsibility) र्हेन सामि (यर्ने दःसः सर्हेन मेनस स्ति (यर्ने दःसः सर्हेन मेनस स्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्

२१| र्वेरःक्वेरःर्वेर्ःग्रेःरेनानातुरःन्वेशःक्वेरःर्वेरःर्वेरः

- १२| र्र्स् न न ने ब्रुट्रेन मुखे दे ने न स्वाह (Acharya Narendra Dev Institute of Pali Studies) मी प्रमाद प्रहें त स्वाह कि मार्थ के कि मार्य के कि मार्थ के कि मार्य के कि मार्थ के कि मार्य के कि मार्थ के कि म
- १३| तूर्गृहुत्र नार्द्धन त्या र्र्स्सन (Nagarjuna University) त्र मेन केत र्र्स्सन प्राप्त (Mahayana Institute) ने ने शर्धित खूत केंग्र (Board of Studies) ग्री केंग्र से।
- १८। भूड्ठेनेगेहत्र नाहुं नायना र्र्स्स नाहुं नायना र्र्स्स (Shantiniketan University) त्र प्ययम्भ में प्रस्ति नाहुं नायना र्र्स्स (Indo-Tibetan Studies) में भिष्ठा प्रस्ति स्थ्र स्थ्र स्थित स्थ्र सिवार (Board of Studies) में स्थित स्थ्र सिवार सि
- ४५ नैहून नाइना सना र्र्सेन प्रतः (Punjab University, Chandigarh) दह से भे प्यादे र्र्सेन नाहे र रेना खेते (Department of Asian Studies) ने अप्येंद सूद र्सेन अप (Board of Studies) ग्री सेंन असी
- রঙ| গ্রন্ধনান্ত্রনান্মনার্ন্ধনান্তর (Punjabi University, Patiala) নীরেন্দ্রির্নাননি ফ্র্রা ক্রন (Department of Religious Studies) ন্ত্রী প্রমার্থের শ্লুব ক্রনামা (Board of Studies) ন্ত্রী র্ক্রনামান্ত্র



বশ্ববেশ্বা শ্লব্য বস্তু বাস্তু মান বি বশ্ব ক্লিব ক্লুব ক্লুব

- রুখা দুমারা আইনার্বান্থনা স্ক্রান্থনা সক্রান্থনা স্ক্রান্থনা সক্রান্থনা স্ক্রান্থনা স্ক্র
- ব্য দ্বিমান্বাখনামর্থন (Hampshire College, USA) শ্রীবাদ্বান্ত্রীর স্থানাম্বান্ত্রীর (Visiting Professor)
- १८। ॰ वींर अफ़् अदे न्वो उर्केवाअपदे (Dalai Lama Trust) केंवाअप्री (॰ वींर अप्रकेंवावीअप्रद निर्मूर्य)
- २०। द्वार्यर.ची:तुङ्का हुसे र्स्टिना सम्बद्धिन सम्बद्धिन सम्



॰ वॅिट शासकें वा प्राप्त हो हो वा सुर कंपार्टे द वा वें मार स्थाप हो प्राप्त विवास

२२। नहंदः र्जुनः र्वेदः स्वेदः स्वेद

২২| অ্বাস্ক্ ধ্রু'শ্রমুম্ শ্রুমু'ন্ন মানি বিশ ব্রুম্ (Coomaraswamy Centre for Traditional Studies, Lucknow) দী ইল্ম'ন্সি

३८। अरहा असम्बद्धाः स्वीतानी द्वी उद्धी स्वामानाई।

ઋধ্ শুঁষ্ট্র'র্ন্ন'ন'ন্ন'কু'নান্-শ্লুন'নান্ত্রা'ন্মনা্মুন'ন্নন'(Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, Govt. of Madhya Pradesh)নী'শ্লুনা'নন্নি'নিনাম'নন্না(Chancellor)(মান্ত্র'শ্লেন্'নান্ত্র'ন

ঽ৻৻ ৽৴য়ৣ৽য়৽য়ৣ৽য়ৼয়য়৽য়য়৸৽(International Buddhist Congregation) শ্রী৽য়য়৸য়ৼৢ৾ঢ়

ষ্ণা ক্র'লম্ন্র্মাল্র্রেলিমান্সান্নর্ম্রেল্ফ্রের্স্টেল্মা (Expert Advisory Committee, Ministry of Culture, Govt. of India) ক্রিস্টেল্মান্যান্ত্রেলিমান্ত্র

२१ है। तें २०१५ येर्ने दः राय सुनरासर्मे दा के दारी सके वा वी राष्ट्रवा दें निर्मात कर वी हैं। हिन वार्षे वहें दा वर्षे राय वर्षे

दे भूर में द्रावाश्वरायश्वराविषा में श्रायर में द्रायह में द्रायह में मूर्त में स्वार में मूर्त में स्वार में मूर्त में स्वार में मूर्त में मूर्त



यर्गेर-अस्त्र्वानगवन्त्रवाः मुक्तिसः भूतराः न्दाः धूता

तत्र्रशः हेड्र नाइन त्या क्षेत्र निर्मा क्षेत्र क्षेत

न्यूर-शःशक्र्यान्यीत्रधियाश्च्याः जड्डाष्ट्र्यः द्वेषः क्ष्याशास्त्रयश

यद्भाया प्रमूप्त्रया विश्वास्त्रम्यः प्रम्यः स्त्राच्या विश्वास्यः स्त्राच्या विश्वास्यः स्त्राच्या विश्वास्य स

१ वर्गेट संस्कृता यन्त्र त्र्त्र नाये नासे ना

० श्रुपशः हे : देव : वॅं : के : यर्के पा वे : द्वो : पवे : पवे रा यहे व : यहे व : व्यापशः यहे व : यहे

यावर त्या अर्थे व त्या व त्या के व त्या के व त्या के के अपन्त स्वा अर्थे के त्या के त्या के व त्या के व

स्यार्ट्स् स्थाः व्याप्त स्थाः स्था



२७८ द्विसर्थ नश्चुर्र द्विर स्टॅम्थ स्ट्वर मी स्टॅम्थ से र्र

नगदन्त्रना भूत क्रु रार्श्रेया क्रु दार्शे द्राया में इत स्थाया नी ने ना

सर्केंद्र'द्रवर्दा व्यॉद्र संस्था सर्कें वा वी निया तर दे हिया संस्ट्रा व्यं संस्था स्ट्रेंद्र संस्था संस



मन्दरस्र सेवे सर्वेद कें अर्शु पेंद्र

योष अधितः १६१० मूर प्रत्यावित्यापतः विवायवितः स्वावितः सामित्यः स्वावितः सामितः सामित

सरामश्रीस्थायन्त्रमान्तरा व्यस्ट्रेंट्स चुरान्तरान्तेन नामः स्यान्त्रमान्त्रमान्तरान्त्रमान्तरान्त्रमान्तरान्त्रमान्तरान्त्रमान्त्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्र



र्वेन् कुं विः खें व्यायायार्ने दार्के नाया कुरानी रकें नाया वर्तन नार्वे र कुँ राजावरा प्रविदाया

र्म्याश्वर्ष्यात्रात्त्र्यात्र्याः स्टान्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त् भ्वाराष्ट्रयात्रात्त्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्रात्त्र्यात्

भ सरमार्डेदे सेरखामा सुना नम्रूस र्झेन दस र्से द सेर्

्रश्चिमानावि के कर सर मूं से जान्न महिमाना मह



भ्रुं क्वनं र्ने द नार्के न स्वा नी किंग्र स्नु नार्के भ्रुं न नावन निव ना

दे.चलेव. श्रु. प्रविश्व स्वाया व्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्

नगायः र्ह्नेत्रः द्वाः यात्रदः सेटः नर्डतः र्ह्नेयः सेट्रं मालुदः मोलेटः सेट्रं प्यार्थतः श्रुत्राधाः स्वरः स्व नविः यद्वार्थः सुरः यहं सः स्वीटः स्वेट्रं मालुदः मिना मोला स्वर्टेशः सुर्देशः यहें तः योद्याः स्वरः स्वरः स्व



चगवःभवाःवयः।सुरयः इरः सुवाःवयः वादरः चंदेदः या

ने निवेद पहें द क्रिंट कंग्र महंद पेंट इनमा सु प्यम ने द क्रमा पा दूस

दश्रद्धतः वेर पर्ट्रेत् पावर पर्ट्यापित के पर्ट्रे प्रमा वेदि प्रवेष प्रश्नितः यथा वित्त के प्रश्नितः के प्रश् इस्रायहेत् वेर पर्ट्रेत् पावर पर्ट्यापित के पर्ट्रे प्रमा वेदि पर्वेष प्रश्नित प्रश्नितः वित्त के प्रश्नित प्र

त्राचित्रवाद्यात्राक्ष्रिं अप्ते स्वाचार्ष्ट्र स्वाचार्षे स्वाचे स्वाचे स्वाच्यात्रा स्वाच्यात्र स्वाच्य स्वाच्यात्र स्वाच्यात्य स्वाच्यात्य स्वाच्यात्य स्वाच्यात्य स्वाच्यात्य स्वाच्या



नगवन्भवा त्वराहित्रावरः स्रीतः वहुषः स्रुचः स्रुचः स्रुचः स्रुचः न्दः श्रह्णः तस्र हुन्।



अन्देते कॅन्न्द्रेबन्द्रीयायाययाय अन्याय स्वीयाय सुन्न

कट्चिं चीक्षणः चाहेट चीक्षणः चीः चकूँ सक्षः देः देवः द्वः क्षे सक्ष्यां चीः चितः प्रदेशः स्वाप्तः चीक्षणः चीः चकूँ सक्षः देः चित्रः क्षे द्वः द्वः क्षे स्वाप्तः स्वापतः स्वाप

गहिर बन में अबित हीं र विं दिरे र तु अद्यादकर न यथ। गवद य रे यह दे तु अप य गाया थें र

५। क्रेनाञ्चेतान्मावहेंदार्लेटा बनका सुरवन दाके नञ्जेता



यह्यान्त्रीत्वि प्रतेते र्श्केत्यायार्क्ष्यायारक्ष्यायात् स्याप्त्रीत्वायार्क्ष्यायात् स्थाप्त्रीत्वायार्क्ष्यायात् स्थाप्त्रीत्वायाः स्थाप्ति स्थापति स्यापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्थापति स्य

यद्व र्श्वे त्या स्ट्रिया स्ट

क्र्यान्त्रा विरमाशुः क्र्या सुन्य अः क्र्यान क्रुन्ने ने स्या शुःस

ळ८.तपु. १८८८.८४८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि. १८८८.वि

ब्रॅट.र्-अ.ब्रीट्रा ब्रॅट.र्-अ.ब्रीट्रा ब्रॅट.र्-अ.ब्रीट्रा

८। क्रनःश्चेन् स्तरः नदेवः यः न्रः स्वयः सुरुः सुरः यह ग

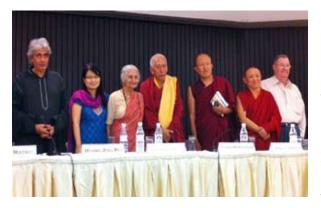
नगादः र्ह्नेत्र हो स्वर्धः स्वेश्वर्षः स्वर्धः स्वर्यः स्वर्य



શ્રું વિશ્વઅભે અલ્દેવાયા ત્રદ સ્થિયા દેવા વાગાવ સ્થેત સે જે દેવ સ્થિત સ્થાયા પ્રદાયના

देव्याक्षेत्रः सम्बद्धः वित्रः त्यात्रः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्याः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्व देव्याः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वयः स्वत्यः स्वत

देवेःव्योयःनर्हेन्।चठशःदेशःनविदःक्तःदगःशेःन्यरशःश्चेःसवुदःक्तयः।वनःयःश्चनःनेःवह्यःश्चेरश्चेरशःकवेःर्वेनानेन्।ग्रीःनर्वेशः सबय:पर्कूसराःश्रीताःवःप्रश्नुवः श्रुतः।



य द्वयादर्द्वेर्रर्र्पायर्र्या अंखेर व्यवश्रुः त्या सुवायः इत्या पहें त

श्चे प्रमुक्ष स्क्रें नक्ष मार्के मान्दर भ्रामका स्वापन स् र्सकार्व्युराम्बर्धाः सूरकार्च्याः यसार्स्ट्र्यः सेरकासराम्बरः दुर्। यसार्स्ट्ररः याशुरायरायहेत। नगायार्ह्स्याद्वायये सह्यास्यायवे यास्याय स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य नाम्याः स्ट्रिस्याने त्यायाः स्त्रीतः वन्ययः प्रतान्तः विष्यः स्त्रान्तः विष्यः स्त्रान्तः विष्यः स्त्रान्तः व नक्षत् प्यार-भेगाः श्रुर-केनः सम्याप्यः प्रवास्त्रम् अकेनः वेनयः गवनः न। नडयः प्यानहेतः तयः मृत्यः प्रवास्त

सः विष्यः मृत्यः मृत्यः स्वरः स्व यन्यार्केयः बुनःसःन्ना याबेशः कयाशाययाः योः शर्केः ययाः यद्देवः व्येन् खेनः बेनः यद्या अनः देयाशः क्ष्यशः यर्केः व्येनः सम्प्रान्ना ने स्ववेदः त्युद्र त्युद्र द्यु र तु अ खुद्द र देश उद्द र देंद र देंद र देंद सम्बद वा अवः न विवा अ खुद र के वाद अ खुव र दे व्य ळॅचार्यायाची य्याद्वेद द्वेद र्स्याया होस्याय सुद प्येट स्वयय द्वा दे द्वा ची उत्तीय सामित स्वयय द्वा स्वयय स्

यदे नश्चर वर्डे श न्वे श य इसश नश्चर यशन्ते दास्तर देर से नामित নর্ট্র শ'ব্দ'। श्रृयोश्यायात्रस्यम् स्पूर्णायात्रस्यम् स् श्रुभः हे :देशः चत्रेषः मृत्युदः त्वर्यः श्रेषः प्रदेः त्ययः बुेन्द्रेन्स्रिक्षं अध्यायाः स्रिक्षेत्रे स्रीताः स्राप्ताः स्रिक्षेत्रे स्रीताः स्रिक्षेत्रे स्रीताः स्रिक्षेत्रे स्रिक्र क्रि.स.चे.कै.रेटा अ.बुट.स्रोक्ट.रेयट.रेट. वी सेट र्चेन हुन्स् रहे नहंद मुँग न्तृत्र श्चेदिः दर्ने यः समुन् सदे दें दिं स्वारं विषा यश है। म्रे क्वियावयाया श्वयाया होता स्रीय सामित्र



৻৽৻৴৽৽৽৻য়ৼ৻ড়৾৻৽য়ৣ৾৽৻ঢ়ৢ৸য়ৣ৾য়৻৾৳য়ৼৣয়৻য়ঢ়ৢয়৽ৼৼৢয়

चड्व-ब्रें वर्चेन् अदे श्वेनावह्न न्यायर के चावेना विस्थास मुद्धार र वर्षे र वर्षे र चान्या सुनाम वर्षे र मन्या सुनाम के चाने प्रस्ता

चक्रवार्चित्यार्वेन् स्रोते मानिकाळम् कार्या महत्रान्ता विन् स्रोते प्रसेत् प्रमेत्र मने प्रमार्थित स्रोते स्रोते प्रमार्थित स्रोते ग्रेअ'र्शे'त्रस'देर'यश्राद्वसभाक्षेु'यृद'र्दर'र्दावदेर'ठद'र्दुक्षुर'वनस'र्दर'। য়৽ৢয়৻ৼয়ৢ৾৽য়৻ঢ়য়ৢ৾৻য়৾য়৸৻৻য়ৼ৻য়ৢঢ়য়৸৻য়৻ৼঢ়ৄ৾য়৻ ঀৢঀৗয়৻ঀড়ৢ৾৾ঀ৾৻য়ৗয়ৢয়৻ঀয়৻য়য়ৼয়৾ঀৗয়৻য়ৢৼ৻ড়ৢঀ৾৻য়ঽয়৻ড়৻য়ৢ৻য়ৢয়৸য়য়ৼৣ৾য়ঀয়য়ৼৢয়ঀ৻য়য়৸৻য়য়ঀ৻ড়ৣ৻য়ড়ৢ৻৸ৠৢঀ৻য়ৢয়৻ঢ়য়



त्यं अ.र्जू र अ.रय.र्जु तु.र्जु व.क्षेत्र.क्षेत्र.क्षेत्र.

यद्यः मुल्यः विदः वी त्यश्च द्वः स्थ्यः सुः वीश्वरः विदः वीश्वरः स्थितः विदः स्थितः विदः स्थितः विदः स्थित्यः व वद्यः सुः व्यायः विदः वीश्वरः स्टः वयायः सुं विदः विदः विदः स्थित्यः विदः स्थित्यः विदः स्थित्यः विदः स्थित्यः

ल्या-क्रियाकाक्री, जन्न व्या-क्र्याक्र मुच्याका याक्ष्य याक्ष्य याक्ष्य प्रचित्त वित्त वित्र वित्र प्रच्या क्रियाका क्रियाका क्रियाका क्रियाका क्रियाका क्रियाका वित्र प्रच्या क्रियाका वित्र प्रच्या क्रियाका क्रियाका क्रियाका क्रियाका वित्र प्रच्याका वित्र वित्र प्रच्याका वित्र प्रच्या

(। तम्मूर्यम्यार्ट्स्यम्प्र्यम्यान्त्रम्या

मिल्ट-प्रस्ति यम्। यस्र म्यो अः युनार्देद स्व स्व प्रस्ति । क्षेत्र स्व प्रस्ति । क्षेत्र स्व प्रस्ति । यस्य स्व प्रस्ति । वस्य देव प्रस्ति । वस्य स्व प्रस्ति । वस्य प्रस्ति ।

यास्त्र स्वतः स्व



वनमःमः म्यमः यहेत्रः तमः यसः वक्तः श्रीः वायः भवाः वीः विक्रः स्त्रीः विक्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्र वनमः यहेत्रः व्यमः यहेत्रः तमः वक्षः विक्रः स्त्रः विक्रः स्त्रः विक्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्व र्ष्ट्रमा दे सेवा नते स्वर्थ त्या स्वर्थ स्वर्थ विषय द्वारा त्या दे त्या स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य ৳ৣ৽য়ড়ঽ৾৽ঀঽয়৾৾৽য়ৄ৾ঀ৾য়ৣ৾৾ঀ৾৽য়৾য়৽য়৸৻৽৸ঀ৾৾৽য়৾য়ৼ৾য়ৢ৾৽য়য়ৼৣ৾৽য়য়ৼৣ৾ঀয়য়ড়য়৸৻য়ৢয়৻য়য়য়৽য়ৼয়৸৻ঢ়য়য়য়ৼৢ৽য়য়৻য়ঢ়ৼড়৾ঢ়৽য়য় য়

८.क्टुनुः १४४४। श्रुटः ५८ । विटः यो गाश्चरः यन् १ । वर्षाः या अरः ह्रेवा अः श्रुवा

१०। समदः देवा

अभूनशाहे 'देव' चें 'के 'सर्केना' द्रगुट' वें वा' नय' चें र-पु. यान्द्र-भःयाशुस्रःश्चीःन्योःवनुद्रानः इस्रभःवः श्रम् देनाः पदेः र्स्त्रेनः बिन्दर् न्युरर्वे ११ वर्षेक्षयम्बद्धर्यः कुर्नेन्द्रवे न्य क्रिंशन्त्रो न्त्र्नारक्षः १६ यःनयःईरःमहत्रःश्चेनःश्ची न्वीराक्. ४४ वा.सँसाधासत्त्र्यात्री.श्रूचाश्ची नेवीराक्. ४१ यासूर्वात्रस्त्रीं नाग्री देशार्सूत्रायात्रसाम्बद्धात्रस्त्री शुद्धात्रस्त्रस्य



व्हर्म्यवर्गी: इ.श्रव्यायद्य हेते श्री र श्री र र श्रवा

योचयायात्रा न्युरादान्त्रान्त्राच्याञ्चे क्रियायाण्चे वित्रकेदायनेयायायते तुयायम् स्वायस्यान्ता क्रुदाध्दायहर्

इस्राचलवा क्यात्रदे विसादरे चिर्मा विसाधिसा विसादिसा विसा नुश्राहेशाग्रीःराम्बरायाञ्चीता बुराउँ सापरासे दाया साम रान्दा र्देरतिश्वाक्तीत्वाम्।सर्मरामेशःस्टरमेशःस्टर्भाः। स्थार्मेशः योष्ट्रभाषाः स्थान् भाषायः योष्ट्रभाश्चाः भाष्ट्रभा ग्रीभावर्क्षः नान्दा मानुदामी त्यभार्श्वे मान्दाने दायन्य वर्त्रे मानुदानिय ५५७:५६४:४४४:७८:वाबुर:वो वर:सहें ५:५:वड्वा:कुर:वाबर:वः र्श्रवाश्वर्दा अवात्वरःश्चे त्वत्रश्चर्याशःवाङ्गः वात्वरः देरः वचरः श्चेवाशः ग्री नायर निर्दे र पर निर्देश निश्चर ग्री नावना इसरा वना तो द रिव अर्भिर मुद्र सेंद मी निवि हेद व्टेंब व निवेश मिर केंद्र से निवास निवर नि



त्वेवायात्रदःश्मेनशः नदा अदः वार्ष्ट्रवेदः देदः खेवाशः क्रीः खेवाशः क्रियः वश्चेदः क्षेत्रः देवादः स्वावः ळेद'र्दे' ज्ञुद्र'न'दे 'र्जे अ'ळें नाथ' ग्री' प्यथ' देश'नाथर'र्ने ना'नी' प्येना' खेद' नी' नर' द्रा चन्द्रात्तीः बुर्र्भ्यायाय्ययायित् हेर्वायाष्ट्रवा देःचित्रं चन्त्रायायः ह्रित्रं हिःचित्रं यहंद्राह्यरः चित्रः स.चया.रंतता.पञ्चर.ची.योप्या.क्षंरया.चित्रया.रंत्रचर.ची.रं.रंटा.तयाता.या.मा कुंदेः सक्सम् शुः श्चेनमः व्यन्ति । कनः श्चेनः श्चनः कुंदः विनायम। नामनः नाहेनः नानः ष्परः सेन् न्या वहें तः र्श्वेटः रूपायाः सुन् न्यायाः विष्णे क्यायाः सेन् न्यायाः सेन् न्यायाः सेन् न्यायाः सेन योल्र्या.थे.यज्ञ् क्षै.ट्र.प्रट.श्र.भर्थे.पर्ख्,यख्रेष्यत। यथ्यर्प्याविट.लायर्या.सप्र.भ्रायटार्ष्यभग क्तर्षिष्रभाषात्रीयः यर्वार्यरायः भूवाभाषार्य्यः रे. तक्षीरः श्रीयभाष्यं विवाधाः भीवाभाष्याः विवाधाः विवाधाः व क्री. क्री प्र. तुर्च, रेजू राष्ट्र राजिरा। योर. क्षेर वु. मु. ताथा क्रूं या क्षेर के यो सर. क्षेर क्षेर अंग का नडंदःचें निवेशके व्योदःशासर्केषाःषीः त्वःदासे प्रायः स्वेदः विश्वः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स



ক্র'নাম'শ্রী'নাম 'শ্রুম'র্রির'টের 'শ্রুম'র 'ম্ম'ন্ম'র মার্ম'র ক্রম'ন্ম'র মার্ম'র মার্ম'র মার্ম'র মার্ম'র মার্ম

ॱसुवार्थायन्तुत्रात्यावारासत्रातिःत्ररावाञ्चेवार्थाने हेत्रायळत्राव्हेंर्थायोन्ययावात्रात्यायाः । नाः हत्याराया

<u> कृत्या कृत्यायः भूत्र कृत्यायः भूत्र कृत्यायः भूत्र कृत्याया कृत्यायः स्थान्य स</u>



र्गुंड्वे अर्केनानी सुदे कं से न्रायुवा

१ हैं खें. १६६६ सूर ने भेष सूची यो हर सार हूं री,

त्रा शुं त्यं १९६६ श्वः ११ क्षेत्रः त हेत्रः द्वः श्वे क्षेत्रः व्याप्तः व्यापतः वयापतः वया

य ही लें. ४०११ डी. १ कुरा न हेय साम सह सूर्य से पिया

सदैॱभूनर्थाष्ट्र सदै।वेँन् देवार्थासर्वे देयार्भेनासदे।केँवार्थाके दान्नी प्रतीन् सहन् क्षेत्रि वेवार्यादाने देवाहेर्था प्रतीन सदि।

न्ते 'न्ह्यामुं'सर्केन्'र्ग्ना' न्ते 'न्ह्यामुं'सर्केन्'र्ग्ना'

स्। द्ये.ज्. ४०११ श्वः ८ यदः क्ष्यः ४० हेवः गुः सुन्यः नदेः 'क्षेः स्यः र्म् द्ये : व्यः ४०११ श्वः ८ यदे : क्षेत्रः १० हेवः गुः सुन्यः नदेः 'क्षेः स्थः इसः मुश्रुसः च्ये : १०११ श्वः ४० हेवः गुः सुन्यः नदेः 'क्षेः स्थः

त्र द्वीर्यः ४०११ श्व. ५ क्षेत्रः १६ हेव.रच्यावहरक्तः त्रिःश्वरः रम्यावेषायःग्रेःश्वः प्रक्ष्यः चेर्-दिनः प्रवः स्वरः स



र्। ही:लॅं. ४०११ ह्न. ५ क्रेंग. ४१ हेदायर्ने विययाक्तं नः स्त्रीनः सूना दयानगद हेदाहे या इदानु स्वयान दें। 'इया कुषायकेंन हेदा।'



यशिरःयन्य-त्रायम् सम्बन्धः सम

सक्त्याचीर सर भाग्याच्याच द्वास्य स्थाप्त स्य स्थाप्त स्थाप्त

१०। ही.मू. ४०११ ड्र. १६ हें निर्माल सुरास्त्र महिना के स्वास्त्र महिना स्वास्त्र स्वस

१२। ब्रें व्यॅ. २०११ व्यं १२ केंस ४ हेद सूर् वर्ष केंस ४ हेद सूर् वर्ष वर्ष स्थान केंद्र महिना केंद्र महिना

१२। शु.इ.चॅ८्।ह्वेस्ययम् र्षेट्र्याद्यस्य स्ट्रिट्यो सह्ट्ह्यायानगरद्वेदः हेस्यद्वर्ट्युत्यानदेः स्ट्रेंद्रायदे विष्यास्य

१र्ड्रेब्र-सद्यःबिकान्नरः।' स्राम्यान्यान्यः द्वेषः हेशः द्वेषः द्वेषः स्रोतः १र्डेब्र-सद्यः बिकान्नरः।'



. अ.ची.र.घु..इच.भा.की.रट.रेचट.त्वय. क्ट्र्य.स.की.स.चे.त.की

वुगाना देव वें के नार है द ग्री नगत हैं अ क्रें रा

भूभ्यायदेग्वर्शन्तर्थं न्यान्तर्थं के न्यान्य क्ष्यायो क्ष्यायो के न्यान्य क्ष्यायो क्ष्यायो के न्यान्य क्ष्यायो के न्यान्य क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्य क्ष्यायो क्ष्य क्ष्यायो क्षयो क्ष्यायो क्ष्यायो क्षयो क्ष्यायो क्ष्यायो क्षयो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्ष्यायो क्षयो क्षयो



चते अत् की श्रेन पहें त न्द सहया पदान मातर भ्रामा

देवाश्वायाय्याद्वार्थे खेट्रायदेः ह्यापशुर्थाः श्वदान्ता। वाबुदः खुवाशावाद्यश्वायायावशायदेः दवाची 'द्यव्या। केवा खेट्टिंद्यायायावश्वयायदेः दवाची 'द्यव्या। शाक्षेदः वद्दे 'द्याचे 'द्याची 'द्यव्या।

बन्नाम् न्द्रम् क्रि. स्वाल्याम् क्रि. स्वाल्याम् क्रि. स्वाल्याम् स्वालयाम् स्वाल

त्यस्त्रुतः चेद्रःश्रम्भार्त्वा मुद्रा स्वादः स्वादः स्विदः स्वादः स्वद



ক্র'নাম'ক্রী'স্কম'র্ম্বুন'র্ম্ব্রুম'ম'রানাঝ'তর'র্ম'অর'মঝ'ট্ট'ঐ'অর্চ্রনা'ন্ম'ঞ্চুরা



ष्यः देवे 'र्क्केत' त्यह्य र स्ट्रेन 'र ज्याप्र र उत्र 'दे 'कव्य' हे ' ह्ये र 'द र ध्रुवा

त्वीं स्थार्थन्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्थन्य स्थार्य स्थाय्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थार्य स्थाय्य स्थाय्य स्थार्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्याय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्थाय्य स्था

न्त्रम्याम्बुस्यस्यम् मिष्ठम् प्रत्यास्याम्यस्य स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वरं स्व



र्वे नाहे त्या हुवा त्र नहें या स्वीता स विकास स्वीता स्व

ब्रुट्यान्यक्सूशा।, जुशाचाश्चरश्चाक्षेट्रस्याशित्वसूशा। शु.क्.सजाकुट्यसचाशासपुःतीजाः चेशान्त्रस्यान्यस्यान्यस्य हाःभैटाः । , जिशाक्षीः कुषान्त्राचिशास्य श्वराकूट्याशीयस्य शाचिशास्य कुटायजाकुटायसचाशासपुःतीजाः चिशास्य क्रिया सपुः भह्दः हु शाक्षीः कुषान्त्राचिशास्य क्षित्रस्य। शु. कु.सजाकुटायसचाशासपुः तीजाः चिशास्य क्षित्रस्य किशास्य सपुः भह्दः हु शाक्षीः कुषान्त्रस्य क्षित्रस्य किशास्य विश्वराचिशास्य किशास्य किशास्य किशास्य किशास्य किशास्य कि

કેંંગ ક્રવા લું કા શું આ ર્સેંગ યા વારે વ્યાય ક્રયા વર્ષ અલું કરેં કરેં કે કે કરે છે. જે વા કું વર્ષે કો અદં કા વ્યા



गशुरःगी'सहंद्र'सदे'सुम्'हेर्रा'य'प्पर'त्रर'ग्रोश्रा'ग्रीश'सें'त्र'सें'ळंत्र'गशुस्रासें।

प्याः न्याः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष

प्राप्त व्यास्त्र व्यास्त्र

चुरुप्रान्यान्द्रा

यभ्यानुस्यान्त्रभ्यां।

यभ्यान्यस्यानुस्य स्वान्त्रभ्यान्यस्य स्वान्त्रभ्यान्तिः

म्या स्ट्रा ने स्ट्री म्या स्ट्री स्



॰'र्नेदः अःभुनअः अर्मेदः केदः दें स्थळेना दृदः श्चेदः श्चेदः श्चेदः श्चेदः स्थेदः ने द्वारा ने स्थाना है अः दृदः श्चेदा

भूट्याश्चार्ट्यायायायुःश्चित्रायायुःश्चित्रायाय्याःश्चित्रायाः वश्चित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्र १। वटःक्चित्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायश्चित्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत्रायाः वर्षेत् स्त्राम् स्त्राम स्त्राम

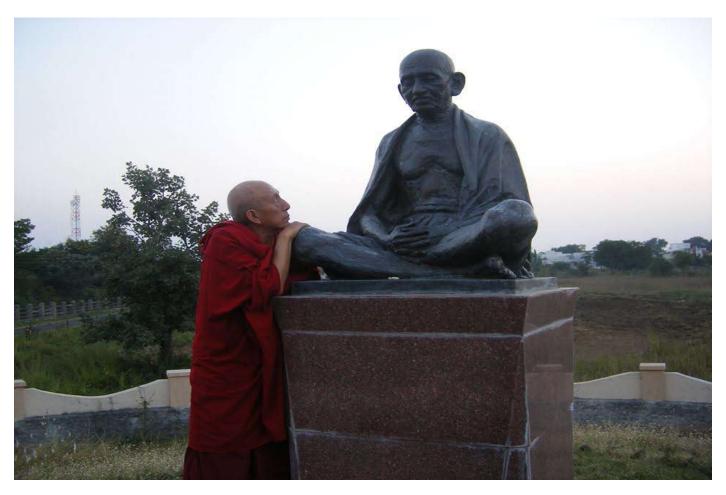
यो नेश्चेत्राचीःश्चेत्रायां वहत्रचेताः वेत्राव्यायाःश्चेतायाः देवायः चेत्राच्याः विश्वेतः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः विष्यः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः विश्वेतः वित्राचेताः वित्राचताः व



ત્રાશ્રમાલું આત્રા શ્રુપ્ત ત્રામાં આવે. ત્રાશેન્ય ક્રિયા ક્રિયા ક્રિયા ક્રિયા ક્રિયા ત્રામાં ત્રામાં ક્રિયા ત્રામાં ત્રામાં ક્રિયા ત્રામા ત્રામાં ક્રિયા ત્રામા ત્રામાં ક્રિયા ત્રામાં ક્રિયા ત્રામાં ક્રિયા ત્રામા ત્રામા ત્રામાં ક્રિયા ત્રામા ત્રામા ત્રામા ત્રા ક્રિયા ત્રામા ત્રામા

भ कराश्चेराग्चे र्स्नेराया नरेदासंदे खुः ह्वाया स्रीम् (र्न्चेदार्सेरायाहेशायादे स्वा) वन्नुरावनुरासेराग्चे स्रीमानस्यापिकार

यास्यायस्ति विकास स्तृत्व क्षेत्र स्वायक्ष्यायक स्वायक स्व स्वायक स्वायक



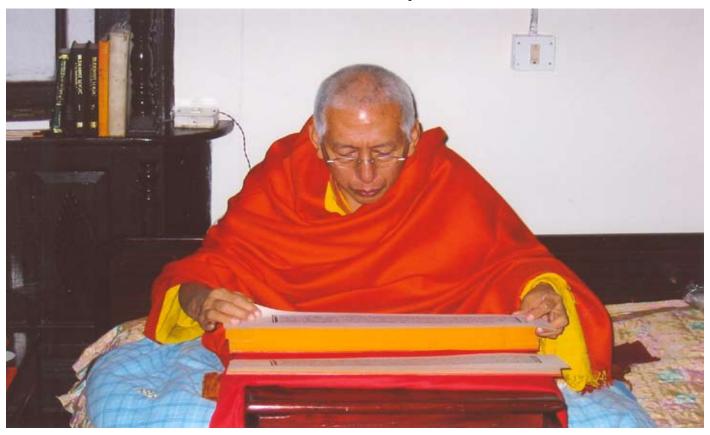
न्र्वेङ्केते स्यान्तरः क्षेत्राचाने सावरापुर्वे स्वतः न्र्वेङ्केते स्वानक्ष्या विकास

१ रे पिष्टेशनः हे हैं दे स्मिन् हें वा र्लिन् नियं वा श्रुटः हें सायापाट वटा वा से शायावी है।

२। विश्वास्त्रान्द्रात्वेत्यान्वेत्राङ्ग्रीस्त्या नेद्राःग्रीस्त्याःस्त्रानात्वुद्रात्याःश्रुवःस्त्राःशेत्याःस्त्राः । व्यवनःक्ष्वःत्राशुश्चानःदरःववेत्याः हेर्ने हेर्णःह्रे विदेश्चेश्चान्याः स्त्रान्याः स्त्रुवःस्त्राः शेत्रां स्व

३ वाशुक्षानाक्षेत्रः अन् विवार्षेत् निर्देशवाश्वार हिंदावाष्य निर्देशका विवार विवार

গুর্দ ক্রিমান্র শ্রেমান্র শ্রেমান্ত শ্রেমান্র শ্রমান্র শ্রমান্

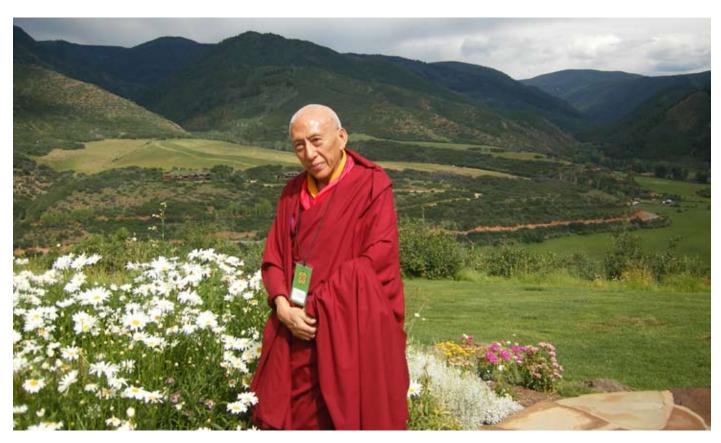


নাশর নশম শহরে নরির না

বা প্রশংশিশা গুল্লা গুল্লা ক্রানান্ত্রনাথনা স্ক্রিনান্ত্রনাথনা স্ক্রিনান্তর নান্তর নাল্তর নাল্য না

ळेब भेदशन्त्र पार्क्ष प्राप्त पार्क्ष प्राप्त पार्क्ष (Speech on 3rd World Parliamentarian Convocation on Tibet)

(A) विविद्यत्ति स्त्रितः सिद्यः सिद्य



षार्ररःक्ष्यायायनुःबीयायीःभ्रानयाशुःनर्भ्येवःया

य ने अर्चनानी र्भू राया नाइना यमार्भू नामरायदेवे सेना अर्थी स्नु नरा अर्भु येना अन्यन् री नाबुर स्वता सेना अर्थी स्थान

न्। नर्हेन्यविःश्वःस्वारार्ह्रन्।श्वान्यत्यस्यात्रार्थः नत्रन्यत्यस्य विदःस्व

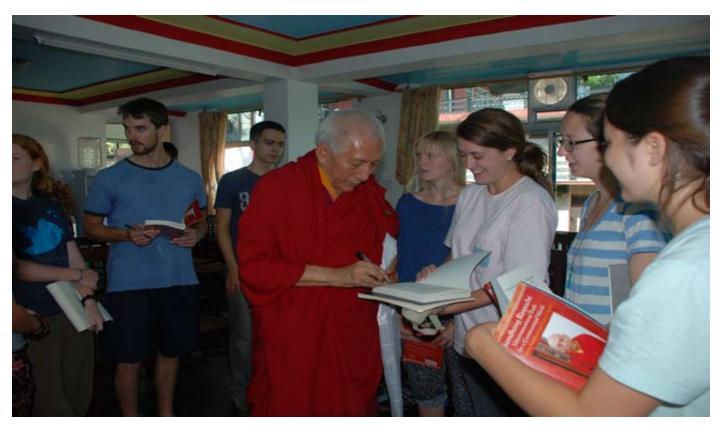
यवतः चल्ली वक्षः चास्रान्त्र चल्ला स्थ्रियः ची स्थ्रान्त स्थ्रान्त विष्ण्या विष्ण्या विष्ण्या स्थ्रान्त विष्ण्या स्थान स्थ्रान्त विष्ण्या स्थ्रान्त विष्ण्या स्थ्रान्त विष्ण्या स्थान स्थित स्थ्रान्त विष्ण्या स्थान स्थित स्थ्रान्त विष्ण्या स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थित स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

या भेशन्त्रवाची भूरावा देवा वाद्यात्र स्थान हैं का देवा वात्य के स्थान विश्व के स्थान के स्थ



न्तेः क्रूँ तः क्रूँ तः च्रुं तेः क्रूँ तः यः क्रॅं न्दः क्षूतः नुः नत्वा ना व्या विकास विका

यान्तर्भान्यस्यान्त्रीत्व्रास्त्राच्याः भ्रीत्वर्भः स्यान्त्रभूमा व्यत्त्रिक्षः स्वान्त्रस्याः स्वान्त्रस्यः स्वान्तः स्वान्यः स्वान्तः स्वान्तः



w:देदे:वाड्वा:यवा:र्श्वेव:व्येद:र्श्वेव:र्श्वव:र्श्वेद:वाद:रेद:श्रेअ:वड्यअ:वादद:वदे:देव:य:अळ्द:ह्वाअ:यर्वेद:वविद:या

यानश्चरानवे नगरः र्स्तेन। सरः स्थानिहर्ते स्थानिहर्ते साम्बेदः स्थानिहर्ते स्थानिहरू स्थानिहर्ते स्थानिहरू स्था

त्त्रेरण्याःक्र्यायाःक्रेयायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायाःक्रियायायाःक्रियायायःक्रियायःक्रियायायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियायःक्रियःक्रियायःक्रियायःक्रियःक्रियायःक्रियःक्रियायःक्रियःक्रियायःक्रिय



क्कुयः श्चे दे दरम्यदे ळॅम् अप्टेब्स्यम् हेर्यमाहे अप्यदे श्वेम् माशुरम्य स्वरम्य विदास

र्चा देवे बर्ब अयार मार्ड के न सूर हमाई मायमार्से नावर में स्वर पेर ना श्रुर न स्वर प्राप्त माय के न र्चे न सू इस देवे बर्च अयार मार्ड के न सूर हमाई मायमार्से नावर में स्वर पेर न माय के न र्चे न सूर स्वर स्वर स्वर स्वर स्

র্বাবাধন ব্লু মার্ক্ল প্রের প্রিশ হবা

त्रुःचतः कृता-देन्त्वः कृता-ब्रेटः कृत्वा-क्रा-वेत्-क्रियः कृता-व्या-क्रियः वित्य-क्रियः वित्यः वित्य-क्रियः वित्यः वित्य-क्रियः वित्यः वित्य-क्रियः वित्य-क्रियः वित्य-क्रियः वित्य-क्रियः वित्य-क्रियः वित्यः वित्य-क्रियः वित्यः व



৻ৠॱतुॱशुर-कुत्यःश्चेदिःळॅन्यां केद[्]र्वेनां नान्त्रः बुयाः ग्रीयाः कदः त्रेनाः न्यः द्वरः क्रॅयाः ग्रीः नर्हेन् नाविः वेनाः नाशुरः नयनः नाव्यः नविदः ना

वबर में वश्चुव ध्रीर ध्रूषा वस्रमः गुद दस्य द्यो वस्य दह्या यर गुर्दे।

न् प्यरः भ्रुते खेरः नः नुः सरः देरः द्यः में स्याः स्वे श्वायः न श्रुतः न्याः स्वयः स्वायः स्वयः स्ययः स्वयः स्



૽૾ૢૺ૾ૠૄૢઌ[ૢ]ઌ[ૢ]ઌૢૢૢૢઌ૾ૢઌ૽ૹૻૹૢઌૻઌૻઌૻૡ૽ૹ૽૽ૹ૽૽૾ૼ૾ૹૣ૽ૢૼઌૼૢઌ૽૽૽૽ૢ૽૱૽૽૱ૹઌઌઌૹ૽૽ઌ૽૽ૡ૽ૡ૽ૡૺઌ

ড়ोल.सॅस.टेसट.सुटु,टेयट.सैंचे.सुट्-सुट्-शी बुस.ग्रेट.सॅस.सूर्र स्रायह्यास्त्राचिट्य.चेटु,विश्वस्य.स्र.लूट्स.स्युचस्यस्य । स्रचत.लस.चेट्य.चेटु,विश्वस्य.स्य.लूट्स.स्युचस्यस्य । क्षित्य.गीय.पह्येच्.लस.चसासाकट.सपु.क्रियो ।

र्वः क्रेंच न्वेंच सक्तं क्षेत्र न्व्या स्वाप्त स्

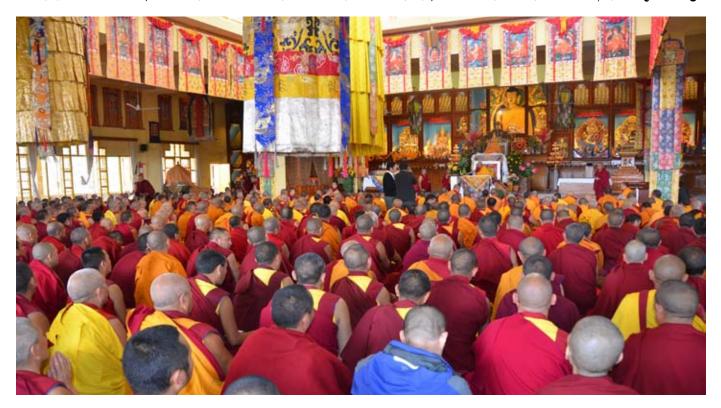
यहूरी

ब्रीम्माद्देश्वराक्षी क्षेत्राचित्राह्मात्त्र स्वाना क्षेत्र क्षेत्र नाश्चराक्षी स्वान्त स्वान स्वान्त स्वान स्वान्त स



નર્સેન્ ક્રુત્ય ત્રેન સ્ટ્રેન નો કેસ્ય સ્ટ્રેન સારા શુ. નાન્ત્ર (તુ.સ. ગ્રીસ ત્રન્દ સ્ટ્રેસ ત્રેન્ ગ્રી નાશ્ચન નબન નાન્નન ના

देश्चेरःश्च्याः श्चृतः वाद्ववादः श्वेरः विद्वाः विद्व



न्यत्यः भूतः क्रुनः भूतः मुक्तः नुः से रः भ्रुः से स्याः भूतः क्रिं नित्ताः वरः वशुरः क्रिं सावादः निविदः या

त्र्वर्त्त्व्यान्त्र्यान्त्रः म्यान्त्रः स्वर्त्त्व्यम् । नश्चरः त्रेट्रः नश्चरः द्रमेत्रः त्रेट्रः क्रेट्रः त्यान्त्वित्यः नदी । स्वर्त्तरः त्रेट्रः तश्चरः द्रमेत्रः त्रेट्रं त्रेट्रं त्रेट्रं त्यान्त्वित्यः नदी । स्वर्तरः त्यान्त्रः त्यान्त्रः स्वर्त्तः त्रेट्रं त्यान्त्रः त्यान्त्वित्यः नदी ।





*ૹે.૨.ૹે૨.ૹદ્૨.ત*કુથ.*વૠ૾ૢ૿*૮અ.ૠ૾ઌઅ.૮૮.ઌ૾ૼૺૹ.ઌૢ*૨.ૠ૾૽ૺ.*ૡૹ.ઌૢઌ૱ઌ૱ઌૺૺ.ૡૺ.ઌૡૢૡ.ત

वसन्त्रम्थः स्वादिः स्वादः स्

વતુ. ત્રોક્ષ્યા 'શેષ્ઠ' 'ત્રુપે, 'શેપે, 'શેપ્તા કું પાલે ક્રાયા સું ત્યાલે ક્રિયા 'શેષ્ઠ' 'ત્રુપે, 'શેપે, 'શે

स्वायर्ग्यवतः देट द्वीः वट प्यवः प्रवः चीया । स्वायः स्वयः स्व



श्रृष्ट्रेष्ठरःप्रवे मात्रश्रःकेव त्यः भ्लेनः पुरः सङ्गवः प्रदेव पितः प्रवः पुतः पुत्र प्रमावन्य मात्रवेव प्रा

त्युरःग्रीःग्रःतम् के हिंद्ग्रीशः वहस्य। । वस्य स्वार्थः के न्युरः के न्युर

वेशःग्रदःश्चराश्री।

यी. श्रेथ. स्वाभाज्ञेथ. सद्या भाज्या की स्वीपालेश स्वीप

सः इसका ग्रीट ल्लू स्था शी. पोकाचा Conncil of Philosophical Research) बेश स्वर्य से स्वर्य स

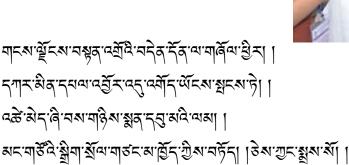
ल्राचाया मिटान्ट्री कृट्ट्र्या वक्षश्वातम् विदान्तम् विदानम् विदानम्यम्यम् विदानम् विदानम् विदानम् विदानम् विदानम् विदानम् विदानम

यद्मान्त्राच्यात्रच्यात्यच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्यच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्रच्यात्य

र्श्वाश्वरण्यात्रः भ्रेत्वात्रः भ्रित्वात्रः भ्रित्वात्यः भ्रित्वात्रः भ्रित्वात्रः भ्रित्वात्यः भ्रित्वात्रः भ्रित्वात्रः भ्रित्वत्यः भ्रित्वात्रः



श्रुट्शून्यान्त्वान्त्रान्त्रान्त्रा । हिट्टिश्चित्रान्त्यान्त्रम्त्रत्त्रान्त्रान्त्रान्त्रम्त्रत्त्र्यान्त्रम्त्रत्त्रम्त्रम्त्रत्त्रम्त्त्रम्त्रत्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्त्रम्त्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्त्रम्त्





म्,य्र-८८.र्षेष.भुर-भ्री.यंश.स्यश्वयश्वरी.र्षे.यर्षुयःता

तपृत्ते, क्षेत्र सुतु हुं, क्षेत्र अह् , यत्र स्वीत्त्र स्वात्त्र स्वात्त्य

र्त्ते क्रिंत् क्री. ब्रिया प्रतिका यो क्रिंट र मूं शाक्ष कार्या र या स्वार्थ क्रिंत क्रिंत



र्क्षेत्रम्द्रनद्वात्वयः नुःददः भ्रवः भ्रेतः भ्रुः सदः स्टिन्य । सः स्टेन्द्रन्य । स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व

नदे सहर परन्य सम्बद्ध स्था डंबाबियाः वार्डेशः श्रॅटः चेंदः वर्गेदः र्वेग ररःहेँ अःगरःगे वितरानह्न र्विद्रशाद्वशास्त्रीयाशायकद्राद्यादारे श्रेयाहे। ४०१≈ ह्न. १० केंग. १ हेत् गुःसरःब्रेव्यःग्राधेरःगीःग्राबेनःहुः

&्रन्यदे चनान्यपन क्वें स्वस्वेशस्य ग्रेश न्याद गुशन्त न्येंदे स्ट क्शस्य शर्मे स्वी शहे खुया

याब्यास्य प्रह्यापाप्य प्राप्त दे देवा की स्त्री । चयःश्रेद्धःश्चर्यायाचेरयःनश्चेद्रःश्चित्रःश्चेया ।

न्वायः वः वक्कुः न्दरः धृदः यदेः वेरः केदे। क्रनशकेद:सर्दि।सिर:सु:से<u>-</u>रन:र्श्नेट:से| श्रेमाःश्चःतर्द्धःसद्यःस्याः सुरःरत्यःम्ब्यः नदी । गर्थि सेन हे द नु सु स मार्हिन हे न उसा।

क्यानमूत्रभे ही न्दायहमामा विवास के विव दैर-सुनामाद्वे सेर्-चम्मस-दमेय-धीर-चलेदार्दे रा । भूषाञ्च्रतः गारुषा गुवे : दे : तः भूँदः नवे : भूता ।

चत्राम् श्रीयाः स्थित्रा श्रास्त्राची शः

नभुषासाम्बदानाः सूत्रा यभुनमः

अर्क्केवा वार त्या सेर देश तर्हेश कीर

र्क्के.यदुःरश्चा.याद्यरः

ब्र्यायाजी वस्तरा नुष्या क्रिया है ।

र्श्वेन:न्यें दाकेदार्थे:विनेवे:ब्रुदार्थेन:

য়৵৻৻৴য়ৣঀ৾৻য়৻য়ঀৼ৻৻য়৸ঀয়৻য়ৣ৵৻য়৻ঀৢ৾৻ৼয়৻ঀ৵৻ড়৻য়ৢঀ৻য়ৣ৸৻য়ৢ৾ৼ৻য়৻য়৻ঢ়ৢ৻য়য়৻য়ৣয়৻য়ঀৼ৻য়৻ঀয়৻য় য়৵৻৴ঢ়ৢঀ৻য়ঀৣঀ৻৻য়৻য়৻ৼঢ়৻ড়ৣয়৻য়ৣয়৻য়ৢ৻ৼয়৻ঀড়৻ড়৻ৼয়ৢঀ৻য়ৢড়৻য়ড়ৼ৻য়৻ৼয়৻ড়য়৻য়ৼৼ৻য়ৣৼ৻ৼয়য়৸৽

ब्रियायायवर त्योद्यायदे सद्यायवर व्रित्योय स्त्रीत्या वियायद श्रुया रिवाय स्त्रीय स्त्

